

जिंदगी खुशी से जीना भी सफलता का प्रमाण होता है, यह बात अभिभावकों के पल्ले क्यों नहीं पड़ती
‘सुसाइट फैक्ट्री’ के रूप में बदल रहा है ‘एजुकेशन हब’ कोटा

■ आखिर क्यों मौत को गले लगा रहे हैं देश के प्रतिभाशाली विद्यार्थी

■ अभिभावकों की महत्वाकांक्षा का दबाव अब पड़ने लगा है भारी

आज के मौजूदा युग में बच्चों की जिंदगी एक रेस में उलझ गयी है। वह रेस एक ऐसी प्रतियोगिता की है, जहां उसके कंधों पर माता-पिता के अरमानों के साथ रिलेटिव्स के तानों का बोझ भी है। साथ ही पड़ोसवाले अंकल के बच्चों से ज्यादा मार्क्स भी इस प्रतियोगिता का हिस्सा हैं। अगर इन सबसे बच गये तो अपने उलझे हुए सपनों से पार पाना भी एक प्रतियोगिता ही है। अपने लक्ष्य का चयन करते-करते कुछ बच्चे आज अपनी जिंदगी का त्याग कर मौत का चयन कर रहे हैं। यह तब होता है, जब वे अपने अभिभावकों के अधूरे खाब या उनके नये अरमानों को पूरा करने में अक्षम होते हैं। लकिन यह अभिभावकों को ही समझना होगा कि उनका बच्चा असल में चाहता क्या है। अगर उनका बच्चा एक्सपेक्टेशन पर खरा नहीं उतर पाता, तो यह अभिभावकों को ही

समझाना है कि ठीक है कोई बात नहीं। बहुत कुछ है जिंदगी में करने के लिए। जिंदगी खुशी से जीना भी सफलता का प्रमाण होता है। और सच में सफल वही है, जो अपनी जिंदगी को खुश होकर जी रहा है। सुखी होकर जी रहा है। राजस्थान का कोटा शहर, जिसकी पहचान भारत में 'एजुकेशन हब' के रूप में होती है, धीरेधीरे 'सुसाइड फैक्ट्री' बनता जा रहा है। इस शहर में देश के कोनेकोने से बच्चे अपनी आखों में डॉक्टर-इंजीनियर बनने के सपनों को लेकर आते हैं। मगर बीते कुछ समय से ये सपने चहारदीवारी

में दम तोड़ रहे हैं। आकर बता रहे हैं कि इस साथ जनवरी से अब तक दर्जनों छात्रों ने यहां आकर मौत को गले लगा लिया। दो दिन पहले महज साथ घटे के अंतराल पर त

आही विशेष |

छात्रों की आत्महत्या के बाद अब यह सवाल उठने लगे हैं कि आखिर कोटा में रह कर पढ़नेवाले छात्र ऐसे कदम क्यों उठा रहे हैं? सवाल तो यह भी पूछा जाने लगा है कि क्या इन बच्चों पर उनके अभिभावकों की अति महत्वाकांक्षा अब भारी पड़ने लगी है। छात्रों के बीच आत्महत्या की इस बढ़ती प्रवृत्ति ने पूरे देश को चिंता में डाला।

दिया है। कोटा की पहचान कोचिंग हब में स्थापित तो हुई, लेकिन यहां बच्चों की काउंसिलिंग की पुख्ता व्यवस्था नहीं की गयी है। यह एक ऐसी खामी है, जिसकी कोई मत प्रतिभाओं की मौत से चुकानी पड़ रही है। लेकिन आज ज्ञानोबल हो चुकी इस दुनिया में एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर अब बच्चों को कोटा क्यों भेजा जाये, जब अपने ही शहर में अच्छे और विश्वस्तरीय कोचिंग संस्थान उपलब्ध हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोचिंग संस्थानों से ऑनलाइन कोचिंग की भी सुविधा उपलब्ध है, तो फिर बच्चों को अकेले घर से दूर प्रतियोगिता के दबाव की भट्टी में झाँकना कहां तक उचित कहा जा सकता है। कोटा में दो छात्रों की आम्हत्या के बाद पूरी स्थिति का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संघाददाता राकेश सिंह।



राकेश सिंह

राजस्थान का कोटा शहर, जिसे आज 'एनुकेशन हब' के रूप में जाना जाता है, अब तेजी से 'सुसाइट फैक्ट्री' के रूप में बदलता जा रहा है, क्योंकि यहाँ पढ़ने आये छात्रों में से दो दर्जन बच्चों ने इस साल खुदकुशी कर ली। पिछले साल यहाँ आत्महत्या के 15 मामले साप्तमे आये थे। पिछले साल की तुलना में इस साल आत्महत्या के मामले में और इजाफा हो गया है। अब सवाल उठता है कि आखिर ऐसी कथा वजह है कि कोटा में पढ़नेवाले छात्र ऐसे कदम उठा रहे हैं। इसके साथ ही जेहन में एक

ही सवाल बार-बार उठता है कि आखिर वच्चों पर प्रेशर बनाता कौन है। कोचिंग इंस्टीट्यूट की तरफ से पढ़ाई का दबाव रहता है या फैमिली प्रेशर से छात्र कुछ ऐसा कर गुजरते हैं। या फिर मनचाहा परीक्षा परिणाम नहीं मिलने पर छात्र इस कदर दबाव में आ जाते हैं कि सुसाइड जैसे कदम उठा लेते हैं। कुछ छात्र तो अपने सपनों को पूरा करने के लिए इन्हें प्रेशर में आ जाते हैं कि रिजल्ट आने से पहले ही ऐसा कदम उठा लेते हैं। प्रशासन से लेकर कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालकों तक किसी के पास इसका जवाब नहीं है कि आखिरकार यहां सुसाइड के मामलों में लगातार इजाफा क्यों हो रहा है। छात्रों द्वारा अगर लगातार ऐसे कदम उठाये जा रहे हैं, तो मनोवैज्ञानिक काउंसिलिंग क्यों

इस साल 24 सुसाइड, ज्यादातर स्टूडेंट्स कुछ महीने पहले ही कोटा आये थे

कोटा में जनवरी से 10 अगस्त तक सुसाइड के 20 मामले सामने आये हैं। इनमें 13 स्टूडेंट्स को कोटा आये हुए दो-तीन महीने से लेकर एक साल से भी कम समय हुआ था। सात स्टूडेंट्स ने तो डेढ़ महीने से लेकर पांच महीने पहले ही कोविंग इंस्टीट्यूट में एडमिशन लिया था। इनके अलावा दो मामले सुसाइड की कोशिश के भी सामने आ चुके हैं।

- **जनवरी:** अली राजा ने सुसाइड किया। इसे कोटा आये पांच महीने ही हुए थे।
- **8 फरवरी:** बाइमेर की कृष्णा और उत्तरप्रदेश के धनेश कुमार ने फांसी लगायी।
- **12 जून:** महाराष्ट्र के 17 साल के भार्गव केशव ने कमरे में फांसी लगा ली। दो महीने तक कोटा में रहा। जेझ़िड की तैयारी कर रहा था।
- **27 जून:** उदयपुर के सल्लूबर के रहनेवाले मेहुल वैष्णव (18) ने हॉस्टल में फांसी लगायी थी। नीट की कोविंग कर रहा था।
- **7 जुलाई:** यूपी के रामपुर के बहादुर सिंह (17) ने फांसी लगा कर सुसाइड किया।
- **3 अगस्त:** नीट की तैयारी कर रहे यूपी के छात्र मनजोत ने सुसाइड किया था।
- **4 अगस्त:** बिहार के चंपारण के भार्गव मिश्रा ने सुसाइड किया था। जेझ़िड की तैयारी के लिए आया था।
- **10 अगस्त:** यूपी के आजमगढ़ के रहनेवाले मनीष प्रजापति (17) ने हॉस्टल में फंदा लगा कर सुसाइड कर लिया। मनीष छह महीने पहले ही कोटा आया था और जेझ़िड की तैयारी कर रहा था।
- **16 अगस्त:** बिहार का रहनेवाला वाल्मीकि प्रसाद जागिंड (18) जुलाई 2022 में कोटा आया था। स्टूडेंट ने कमरे की खिड़की से लटक कर सुसाइड किया था।
- **28 अगस्त:** बिहार के रहनेवाले आदर्श और महाराष्ट्र के स्टूडेंट अविकार संभाजी ने सुसाइड कर लिया।

जाता रहा है, उसके पाछे का सब क्या है? बेशक पहली नजर में सबसे बड़ा कारण और अधिकतर हादसों में पढ़ाई का तनाव ही एकमात्र कारण हो सकता है, लेकिन क्या इसके लिए छात्र ही जिम्मेदार हैं। यकीनन नहीं, इसके लिए अकेले केवल छात्र ही जिम्मेदार नहीं हैं इसके इतर भी उनकी खुदकुशी के अनेक कारण हैं। कोटा में साल 2011 से अब तक कोचिंग क्लास में पढ़नेवाले डेढ़ सौ छात्रों ने आत्महत्या की है। प्रशासन के मुताबिक 2017 में एक महीने में 24 छात्रों ने खुदकुशी की थी। इस पर खूब हंगामा हुआ था।

मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि जो छात्र कोचिंग में अध्ययनरत हैं, उनकी खुदकुशी का एक नहीं, बल्कि अनेक कारण हैं। यह बात किसी से हुयी नहीं है कि कोचिंग संस्थानों की आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते कोचिंग मालिक छात्रों की सुविधाओं को दरकिनार कर बस अपना व्यावसायिक लाभ देखते हैं। हॉस्टल और पीजी का वातावरण भी ऐसा नहीं होता है, जो एक छात्र के अनुसार होना चाहिए। इसके अलावा भी कोचिंग के विज्ञापनों में जो लोभ दिखाया

इस तरह के प्रलोभनों व
र न तो स्थानीय प्रशासन
वंग माफियाओं पर दबा
ता है और न ही कोई अ

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़ (खनन शाखा)

आदेश

रातु प्रखण्ड —सह— अचल कायालय पारसर म भण्डारत लघु खानज बालू का आम

अपराह्न में अपर समाहिता, रामगढ़ की अध्यक्षता में जिला समाहरण के सभागार कक्ष में सम्पन्न का जायगा। भण्डारण का विवरण, लोक नीलामी की प्रक्रिया एवं शर्त निम्नवत् है—				
क्र०	भण्डारण स्थल	भण्डारित बालू की मात्रा	सुरक्षित जमा राशि	सुरक्षित जमा राशि का 10% प्रतिमूली राशि
1	पतरातु प्रखण्ड —सह— अंचल कार्यालय परिसर	लगभग 6160 घन फीट	बालू खनिज का बिकी मूल्य— प्रति 1 (एक) cft @ Rs. 7.50 की दर से = 6160 x 7.50 = 46200.00 रु० (सियाचीम, दानापुर टो. कुमारा)	4620.00 रु० (चार हजार छ. सौ बीस रुपया)

2. नीलामी में भाग लेनेवाले व्यक्ति / संस्था भारत के नागरिक होंगे तथा उनके पक्ष में रामगढ़ जिलान्तर्गत कई निर्माण / विकास कार्य आवंटित / रामगढ़ जिलान्तर्गत खनिज अनुशृण्टिधारी हो ।

3. नीलामी में भाग लेने हेतु इच्छुक व्यक्ति / संस्था को निर्धारित सुरक्षित जमा राशि का 10% प्रतिभूति राशि के रूप में नीलामी में भाग लेने के लिये नीलामी की तिथि से दो दिन पूर्व कार्यालय अवधि में जिला खनन पदाधिकारी, रामगढ़ के पदनाम से रेखांकित बैंक ड्राप्ट एवं अन्य आवश्यक कागजात के साथ जमा करना होगा, अन्यथा व्यक्ति / संस्था को डाक में भाग लेने से वंचित कर दिया जायेगा । सफल डाकवक्ता (अधिकतम राशि) की प्रतिभूति रकम को छोड़कर अन्य डाकवक्ता द्वारा जमा प्रतिभूति राशि का बैंक ड्राप्ट नियमानुसार वापस कर दिया जायेगा ।

4. नीलामी के उपरांत उच्चतम डाक की राशि के भुगतान के साथ-साथ आयकर के मद में उच्चतम डाक की राशि का 2% राशि नियमानुसार देय होगा ।

5. नीलामी में बोली गयी उच्चतम डाक की राशि का 10% में से प्रतिभूति राशि को छोड़कर शेष राशि डाक की समाप्ति पर बैंक ड्राप्ट / बैंकर्स चेक / ऑनलाईन के माध्यम से उच्चतम डाकवक्ता द्वारा जमा करना होगा, अन्यथा उच्चतम डाकवक्ता को भविष्य में नीलामी में भाग लेने से वंचित कर दिया जायेगा ।

6. उच्चतम डाक की पूर्ण राशि नीलामी की तिथि से 10 कार्य दिवस के अन्दर कार्यालय अवधि में ही भुगतान करना होगा । पूर्ण राशि के भुगतान में असफल रहने की स्थिति में दूसरे नम्बर के डाकवक्ता को उच्चतम डाक की राशि पर सहमति हेतु प्रस्ताव दिया जायेगा एवं उनके समर्पन या स्वीकार होने की स्थिति में यह नीलामी उनके पक्ष में घोषित किया जायेगा ।

7. उक्त खनिज की नीलामी सम्पन्न होने के उपरान्त नीलामी की राशि पूर्ण रूप से जमा किये जाने के उपरान्त खनिज का निष्पादन / प्रेषण हेतु JIMMS Portal द्वारा अस्थायी आईडी ० सुरित किया जायेगा ।

8. उक्त खनिज का उठाव / प्रेषण JIMMS Portal से निर्गत परिवहन चालान के माध्यम से आदेश निर्गत होने की तिथि से तीन माह के अन्दर अनिवार्य रूप से कर लेना होगा । विशेष परिस्थिति में कारणों सहित लिखित आवेदन पर समीक्षोपरांत अवधि विस्तार पर निर्णय लिया जायेगा ।

9. खनिज के प्रेषण के क्रम में यदि ऐयती भूमि का उपयोग किया जाता है तो उसकी क्षतिपूर्ति का भुगतान नीलामीधारी द्वारा ही किया जायेगा ।

10. अन्य शर्त एवं बंधेज झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 (सभी संशोधनों सहित) एवं The Jharkhand Minerals (Prevention of Illegal Mining, Transportation & Storage) Rules, 2017 के प्रावधानों के अनुसार होगा ।

नीलामी में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति / संस्था दिनांक 29.08.2023 समय 11:00 बजे पूर्वाहन से दिनांक 04.09.2023 समय 5:00 बजे अपराह्न तक जिला खनन कार्यालय, रामगढ़ में आवेदन दाखिल कर सकते हैं । आवेदन के साथ निम्नांकित वार्षिक कागजात स्व अभिप्रामाणित कर संलग्न करना होगा ।

(i) सुरक्षित जमा का 10% राशि निर्धारित प्रतिभूति रकम के रूप में जिला खनन पदाधिकारी के नाम से बैंक ड्राप्ट ।

(ii) पैन कार्ड की छायाप्रति ।

(iii) विगत तीन वर्ष का आयकर रिटर्न की छायाप्रति ।

(iv) GST निर्बंधित प्रमाण पत्र की छायाप्रति ।

(v) आवंटित कार्य के कार्यादेश की छायाप्रति / डीलर्स निर्बंधन की छायाप्रति ।

(vi) पासपोर्ट साईज फोटो की दो प्रति ।

(vii) आवेदन के साथ इस आशय का शपथ पत्र जमा करना होगा कि खनन विभाग से संबंधित भुगतान बकाया / लंबित नहीं हो एवं किसी विभाग द्वारा उनका नाम / संस्था का नाम काली सूची में दर्ज न हो ।

नोट:- विशेष जानकारी के लिये जिला खनन कार्यालय, रामगढ़ में किसी भी कार्य दिवस में स्पष्ट किया जा सकता है ।

एनआइए की रिमांड पर टेरर फंडिंग का मुख्य आरोपी भीखन गँड़ू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। टेरर फंडिंग मामले में एनआइए ब्रांच रांची, भीखन गंडू को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। एनआइए ने भीखन गंडू को परमेश्वर गंडू के यहां से लेवी गशिया की बरामदी और पूर्णिया आर्सन रैकेट केस में एनआइए को भीखन की तलाश थी।

टीपीसी को लेवी देनेवाली कंपनियों
और लोगों के बारे में जारी है पूछता

प्राथमिकी 22/18 को एनआइए ने टेकओवर करते हुए जांच शुरू की थी। यह मामला सीसीएल, पुलिस, उग्रवादी और शांति समिति के बीच समन्वय को लेकर लेवी वसूली से संबंधित है। एनआइए ने सीसीएल कर्मी सुभान खान सहित 14 आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में लिखा था कि टीएसपीसी को लेवी देने के लिए ऊँची दर पर मगध और आप्रपाली कोल परियोजना से कोयला ढुलाई का ठेका लिया गया था। इसमें टीएसपीसी उग्रवादी आक्रमण जी ने अनुशंसा की थी और ट्रांसपोर्ट सुधांशु रंजन उर्फ छोटू सिंह को ठेका मिला था। इसमें मिली राशि का बड़ा हिस्सा टीपीसी को जाता था।

पत्थरबाजी करने और डेली मार्केट
के पास फायरिंग करनेवाले का
पता नहीं कर पायी पुलिस
रांची (आजाद सिपाही)। रांची

पुलिस ने रांची हिंसा से जुड़े कांड संख्या 22/2022 में कोर्ट के समक्ष अंतिम प्रपत्र दाखिल कर दिया है। पुलिस ने अपने अंतिम प्रपत्र में साक्ष्य की कमी बतायी है। इस केस के अनुसंधानकर्ता ने प्राथमिकी को सत्य बताया है। लेकिन उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपियों के खिलाफ फिलहाल कोई साक्ष्य नहीं मिला है। अगर भविष्य में कोई सुराग मिलेगा तो इस केस की जांच दोबारा शुरू की जायेगी। इस पूरी बात की जानकारी केस के सूचक (केस करने वाले) को भी दे दी गयी है। बता दें कि रांची हिंसा मामला डेली मार्केट थाना का है। हिंसा के बाद डेली मार्केट थाना में कांड संख्या 22/2022 दर्ज किया गया था।

अनुरोध : मुख्यमंत्री ने खान एवं कोयला मंत्रालय, भारत सरकार को लिखा पत्र

कोयला खनन परियोजनाओं के नामकरण में राज्य की परंपरा-इतिहास को सम्मान मिले: हेमंत



आजाद सिपाही संचारदाता
राजी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय खनन एवं कोयला मंत्रालय, भारत सरकार में मंत्री प्रस्ताव जोरी को पत्र लिखा है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा परियोजनाओं एवं निजी कोयला परियोजना का नामकरण स्थानीय स्थल/ गांव/ मौजा/ पंचायत

स्थानीय जन भावनाओं की संरक्षिति, परंपरा और इतिहास को उपर्युक्त समान नहीं दिया जा रहा।

/प्रखंड/ झारखंड राज्य के सभापुरुषों और दर्शनीय स्वरों अदि के अनुरूप किया जाये हैं। हेमंत सोरेन ने पत्र में अनुरोध किया है कि कोल इंडिया लिमिटेड, निजी कंपनियों और अन्य लोक उपकरणों के द्वारा संचालित खनिज कोयला परियोजना एवं मग्ध परियोजनाओं का नामकरण भारत

सरकार द्वारा स्थानीय जनमानस की भावनाओं, परंपरा, संस्कृति आदि के आधार पर नहीं किया जा रहा है। उन्होंने चतरा जिला में संचालित खनन परियोजनाएं आग्रापाली कोयला परियोजना, अशोक कोयला परियोजना एवं मग्ध कोयला परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा है कि इन कंपनियों द्वारा जन भावनाओं के खिलाफ जाकर स्थानीय जन भावनाओं की संरक्षिति, परंपरा और इतिहास को उचित समान नहीं दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने मांग की है कि झारखंड की पहचान एक खनिज संघर्ष बहुल राज्य के रूप में स्थापित हुई है और देश के विकास में इसका अहम योगदान है। खनिजों से प्राप्त राजस्व का बड़ा भाग कोयला खनिज से ही प्राप्त होता है, जिसका लगातार दोहन किया जा रहा है। अनुरोध है कि यहां के संस्कृति, परंपरा और इतिहास को उचित समान दिया जाये।

चंद्रशेखर आजाद पूजा समिति के द्वारा पूजा पंडाल का निर्माण शुरू



आजाद सिपाही संचारदाता
राजी। अल्बर्ट एक्का चौक मुख्य मार्ग पर विधान 1971 से आकस्मिक करारों को छोड़कर यथासंभव और आकर्षक पूजा का आयोजन चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति करता रहा है। इसी के तहत दुर्गा पूजा पंडाल निर्माण की शुरुआत कलब के संसाधक सदस्यों अध्यक्ष पदाधिकारी एवं सदस्यों के बीच यजमान द्वारा भूमि पूजन के साथ प्रारंभ हुई। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष शहर वासियों एवं आसपास के क्षेत्र के लोगों को अपने पूजा पंडाल प्राप्त्य में देवलोक का प्रस्तुति करने जा रहा है। वेहद ही आकर्षक रूप से पूजा पंडाल मनोरम मां का दरबार होगा और नैनारीपाम मां का दरबार होगा कोलकाता से आये करोगरों के द्वारा पूजा पंडाल का निर्माण होना है और पूजा पंडाल में लगने वाले आकर्षक लाइट भी पूजा पंडाल के प्रारूप देवलोक की तर्ज पर बेहद ही खास रूप से देवलोक का प्रस्तुति करने जा रहा है। इस देवलोक में मां दुर्गा और मां दुर्गा के दरबार में आयोजक और भव्य पूजा का स्थापित प्रतिमाओं के अलावा अन्य भगवान की प्रतिमाएं वेहद ही संजोदी के साथ आयोजन के इंतजार होता है, उस आशा पर हम सभी सदस्य भूमि पूजन के बीच प्रस्तुत रहेंगी।

कलब के अध्यक्ष पदाधिकारी सहित सभी सदस्य पंडाल निर्माण से लेकर मां के विसर्जन शोभायात्रा तक अपने अथक लगायी जानी है। इस देवलोक में मां दुर्गा और मां दुर्गा के दरबार के आकर्षक और भव्य पूजा का स्थापित प्रतिमाओं के अलावा अन्य भगवान की प्रतिमाएं वेहद ही संजोदी के साथ आयोजन के इंतजार होता है, उस आशा पर हम सभी सदस्य भूमि पूजन के बीच प्रस्तुत रहेंगी।

बहुमूल्य जीवन बचाने को अग्रसर संवेदनर्थील हेमन्त सरकार

जटातमंद कैंसर रोगी को ₹25 लाख तक की चिकित्सा सुविधा



टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता में झारखण्ड के कैंसर रोगी को मिलेगा योजना का लाभ



टाटा मेडिकल सेंटर, कोलकाता से राज्यवासियों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु झारखण्ड राज्य आरोग्य सोसाइटी ने किया MOU



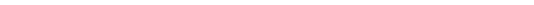
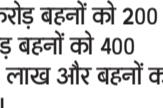
पहले चरण में रोगियों का इलाज आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के स्वीकृत पैकज के अंतर्गत



दूसरे चरण में स्वीकृत पैकज से अधिक राशि होने पर अतिरिक्त राशि का भुगतान झारखण्ड राज्य आरोग्य सोसाइटी द्वारा मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना के अंतर्गत

जनमानस को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार हो रहा प्रयास

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखण्ड सरकार



रायगढ़ी-आयोजित

भाजपा की बैठक में संकल्प यात्रा की तैयारियों पर हुई चर्चा



संकल्प यात्रा 2024 के
घुणव का शांत्यनाद है :
सत्यानायण सिंह

आजाद सिपाही संचालनाथ

खुंटी। भाजपा की संकल्प यात्रा के तहत 21 सितंबर को तोरपा विधानसभा और 22 सितंबर को खुंटी विधानसभा में आयोजित होनेवाली जनसभा की तैयारी को लेकर मंगलवार को भाजपा के जिला कार्यालय खुंटी में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रमुख कार्यक्रमों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए सभी पहलुओं पर चर्चा कर स्पर्शया तैयार की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपर्युक्त प्रदेश भाजपा के मंत्री जगन्नाथ मुण्डा, मण्डल अध्यक्ष सभापति सुरेश जयसवाल, प्रियंका कन्ठूलना, मदनप्रेमन होगा, रामधान सिंह, किशन महतो, पुरेन मांझी, राम बिहारी लाल, जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष राजेश महतो, अनुसूचित जिला योर्चा अध्यक्ष योर्चा नारक, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष संजय मुण्डा, रंदाय नाग, अमिन्द्र राम, मंग नाना, अमिन्द्र कश्यप, शयमा सोनी युवा मोर्चा कार्यसमिति सदस्य बिनोद राय उपस्थित थे।

मांडर विधायक ने उत्तर में अपने खर्च से खाना बनाने के बर्तन व गैस घूला खरीद कर दिया



लायुंग (आजाद सिपाही)

विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने संत पाल उच्च विद्यालय गाड़ी में अपने वेतन के मद से स्वयं खरीद कर खाना बनाने वाला वर्तन और गैस घूला विद्यालय के प्रधान ध्यापक के समक्ष सौंपा। वित्त 15 दिन पूर्व, लायुंग प्रखंड अंतर्गत दोलैचा पंचायत के ग्राम गढ़ा लोदमा रिस्थित संत पोल्स हाई स्कूल के रसेइम्ब रखे रखे बर्तनों एवं गैस घूला को अज्ञात चोरों द्वारा चोरी हो गयी थी। इससे बच्चों के लिए खाना बनाने में काफी कठिनाईयां उत्पन्न हो गईं। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को जिला कार्यपाल के पात्र इस घटना की निवारण किया। अपने मासिक वेतन के पैसे से (खाना बनाने लाने) बर्तन एवं घूला की जलद व्यवस्था कराया। लायुंग के अनेक विद्यालय में चोरों की घटना बढ़ना यहाँ अपराध पर लगाना जरूरी है खास कर लायुंग पुलिस अपराधों पर नकेल कर्के व गश्ती बढ़ाए। इस दौरान विधायक स्कूली बच्चों से भी मुलाकात किया, उन्हें सम्भोवित करते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारी जानकारी दिया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि जन्मजय पाठक, दुर्गा पाइक, चारकु जी एवं अन्य उपस्थित रहे।

इंटेक मोड़ के समीप एलटी बिजली तार की चोरी

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। क्षेत्र के इंटेक मोड़ के समीप एलटी बिजली तार को आज्ञात चोरों द्वारा चोरी हो गयी थी। जिससे बच्चों के लिए खाना बनाने में काफी कठिनाईयां उत्पन्न हो गईं। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को जिला कार्यपाल के पात्र इस घटना की निवारण किया। अपने मासिक वेतन के पैसे से (खाना बनाने लाने) बर्तन एवं घूला की जलद व्यवस्था कराया। लायुंग के अनेक विद्यालय में चोरों की घटना बढ़ना यहाँ अपराध पर लगाना जरूरी है खास कर लायुंग पुलिस अपराधों पर नकेल कर्के व गश्ती बढ़ाए। इस दौरान विधायक स्कूली बच्चों से भी मुलाकात किया, उन्हें सम्भोवित करते हुए, शिक्षा के क्षेत्र में बहुत सारी जानकारी दिया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि जन्मजय पाठक, दुर्गा पाइक, चारकु जी एवं अन्य उपस्थित रहे।

छात्रों की मौत के बाद शव के साथ एनएच

75 जाम करना ग्रामीणों को पढ़ा महंगा

18 लोगों पर नामजद व
200 अज्ञात लोगों पर
प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संचालनाथ

रातू। थाना क्षेत्र के कृषक उच्च विद्यालय गढ़ी, गुड़ रुक्मा की 10 की छात्रा साक्षी कुमारी की मौत के बाद गुस्साये परिजन व ग्रामीणों काटीडांड एनएच 75 जाम करना महंगा पड़ गया। सड़क जाम करने को लेकर सीआई संतोष रातू ने 18 नामजद व 150 से 200 अज्ञात लोगों पर रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया है। आरोपियों में गुड़ निवासी इंद्रेव महंगा, सिंकंदर महंगा, दिलीप महंगा, तिर्यग महंगा टोली के महंगा अमृत विकास महंगा राजू महंगा, अमृत महंगा टोली के आकाश महंगा, राजू महंगा, अमृत महंगा, सोनू महंगा, लालू महंगा, महंगा, आरोपियों की गिरफतारी के लिए छापेमारी कर रही है।

कार्यक्रम : रायगढ़ी-पुरुलिया पथ चौड़ीकरण निर्माण कार्य का सांसद-विधायक ने किया शिलान्यास

क्षेत्र का सर्वाधिक विकास उनकी प्राथमिकता में शामिल है : संजय सेठ



पथ की चौड़ीकरण हो जाने से दुर्घटना में कमी होगी : राजेश कथ्यप

आजाद सिपाही संचालनाथ

नामकुम। मंगलवार को रायगढ़ी सांसद संजय सेठ एवं खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने संयुक्त रूप से नारियल फॉडकर लोवारीह रिस्थ दुर्गा सोरेन चौक पर झारखंड सरकार के पथ प्रमंडल रायगढ़ी ग्रामीण अंतर्गत (नामकुम अर.ओ.टी से अनगढ़ा सेवनम) चार लेन डिवाइंडेड कैरिजवे में चौड़ीकरण कार्य (पुलों के निर्माण, युटिलिटी शिफिटिंग एवं रिसेमेंट और रिहेलिटेशन सहित) योजना का

योजनापूर्वी लानी पड़ेगी, इसके लिये वे सदैव प्रयासपत रहेंगे। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि हमारी गठबंधन की सरकार निरंतर जनहित में कार्य कर रही है। पथ की चौड़ीकरण हो जाने से दुर्घटना में कमी होगी। पथ की लम्बाई 17,700 किमी, चौड़ा 20 मीटर, जिसमें 02 पुल एवं 18 पुलियाओं तथा नाली की लम्बाई 28005 मीटर की होगी। योजना

1,57,26,74,892 की लागत से प्रतिनिधि रंजीत बड़ाइंक, अनगढ़ा विधायक प्रतिनिधि राजेश राजेंद्र मुंडा, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अनगढ़ा एवं उरांव, अर्चना मिश्रा, दीपक राणा, चमन रजक, शिवदास गोस्वामी, मुंडा, संसद प्रतिनिधि रिंगू सिंह, भाजपा नेता रितेश उरांव, पूर्व विधायक केशव महतो कमलेश, रायगढ़ी जिला ग्रामीण कार्प्रेस अध्यक्ष रंगेश किरण महतो, पूर्व पर्याद कुलभूषण दुर्गुंडा, विधायक

मौजूद थे।

दलादिली चौक में नया ओपी बना, मनीष गुप्ता बने प्रभारी

पिस्कानगढ़ी (आजाद सिपाही)। वरीरी एसपी के दिशा निर्देश पर मंगलवार को नामगढ़ी थाना क्षेत्र के दलादिली चौक में एक नया ओपी बनाया गया। दलादिली ओपी के पहले प्रभारी के रूप में बेदो थाना में पूर्व थाना क्षेत्र के लिए खेल बहुत जरूरी है। उहोंने खेल को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाने की सराहना की। प्राचार्य एवं घूल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि भारत के महान खिलाड़ी और हाँके के जाऊर मेज़ज़ाब जननवार के जम्मिन के अवसर पर गण्डी एवं घूल दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

अनगढ़ा (आजाद सिपाही)। सोहोवती देवी पब्लिक स्कूल विलादा में मंगलवार को राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधार के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिरका पंचायत के मुख्यमान धूमधार मुण्डा थे। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। स्कूल परिसर में फुटबॉल, खो-खो सिविल अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहाँ इंडर हाउस खो-खो प्रतियोगिता जुनियर और सीनियर वर्ग के बीच खेला गया। इस अवसर पर गार्या बानामी सरकारी स्कूलों के बीच खेला गया। यहाँ इंडर हाउस खो-खो एवं घूल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल बहुत जरूरी है। उहोंने खेल को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाने की सराहना की। प्राचार्य एवं घूल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि भारत के महान खिलाड़ी और हाँके के जाऊर मेज़ज़ाब जननवार के जम्मिन के अवसर पर गण्डी एवं घूल दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

अनगढ़ा (आजाद सिपाही)। हाँकी के जाऊर मेज़ज़ाब के अवसर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की जिम्मेदारी उरांव को जाऊर मेज़ज़ाब के अवसर पर आयोजित की गयी। वहाँ इंडर हाउस खो-खो प्रतियोगिता जुनियर और सीनियर वर्ग के बीच खेला गया। इस अवसर पर गार्या बानामी एवं घूल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए खेल बहुत जरूरी है। उहोंने खेल को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाने की सराहना की। प्राचार्य एवं घूल दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि भारत के महान खिलाड़ी और हाँके के जाऊर मेज़ज़ाब जननवार के जम्मिन के अवसर पर गण्डी एवं घूल दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का योगदान रहा।

आरटीसी पब्लिक स्कूल में खेल दिवस समारोह का कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी विधायक

स्कूल अनगढ़ा में खेल दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों में खेल के प्रति जागरूकता लाने के लिए फुटबॉल, खो-खो आदि प्रथम अन्नरेस्ट्रेट एवं घू

समाजसेवी ज्योति प्रकाश की पृष्ठतिथि पर लोगोंने किया याद



मोहन सिनेमा से कई यादें जुड़ी हैं : विजय ठाकुर

प्राइवेट बस रस्टैंड के बगल में नाड़ की दुकान करने वाले विजय ठाकुर ने स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी को याद करते हुए बताया कि एक समय था जब ज्योतिन चाचा जी के द्वारा बनाया गया मोहन सिनेमा हॉल चला करता था और 11:00 बजे दिन में मंडल दादा द्वारा जनरेटर स्टार्ट करते ही घंटी और जनरेटर की आवाज से भीड़ जटनी शुरू हो जाती, सारे ठेले खोयमचे वाले सिनेमा हॉल के आसपास अपनी रोजी-रोटी शुरू कर दिया करते थे, हम सबों के दुकानों में भीड़ बढ़ जाया करती थी और रात को 12:00 बजे तक पूरी पूरी चढ़ाव पहल रहता था। चाचा जी बहुत अच्छे दिल के इंसान थे कोई भी उनके पास मदद के लिए जाता जाता खाली हाथ नहीं लौटता था। हम लोग सिनेमा टुकड़े-टुकड़े में देखा करते थे जब भी फुर्सत मिलता चले जाते थे चाचा जी के तरफ से मोहल्ले वालों को कभी रोका नहीं जाता था। अब मेरी दुकान गोपा मंदिर के परिसर में चली गई लेकिन वहां की यादें आज भी दुकानों में चर्चा हुआ करती है।

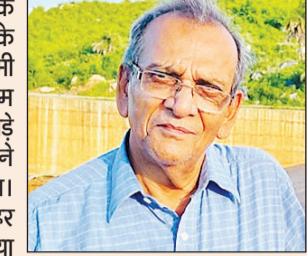


ज्ञान शंकर सार्वजनिक दुर्गा मंडप बनाने में अहम भूमिका : प्रभात अग्रवाल

व्यापासनिक संघ के अध्यक्ष स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी को को याद करते हुए बतायें ज्योतिन चाचा जी शिक्षा, साहित्य और संगीत के शौकीन के साथ-साथ एक कुशल और दूरदर्शी व्यवसायी भी थे। उन्होंने 1940 में मोहन सिनेमा हॉल का उस वक्त निर्माण कराया जब पूरा एकीकृत विहार में मात्र दो सिनेमा हॉल हुए रहता था। प्रभात अग्रवाल ने बताया चूंकि चाचा जी हर वर्ष कोई ना कोई चाहे साहित्य हो या संगीत का कार्यक्रम कराया करते थे और हम सब उस वक्त कॉलेज में पढ़ा करते थे तो उनके साथ हम सब को खास कर मुझे हर कार्यक्रम में भागीदारी निभाना का मौका मिला करता था मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। वे पान के बहुत शौकीन थे उसी वक्त मुझे भी पान की आदात लग गई। चाचा जी युवाओं को बढ़ाने और दान पूर्युष के बहुत विश्वास करते थे। आज शहर के बीच-बीच अपने छोटे पुत्र ज्ञान शंकर के नाम से उन्होंने ज्ञान शंकर सार्वजनिक दुर्गा मंडप बनाने में उनकी अहम भूमिका रही। आज मैं उनके दोनों पुत्र आनंद शंकर और ज्ञान शंकर को उनके पद चिन्ह पर चलते देखा तो बहुत खुशी होती है।



बिस्मिल्लाह खां, किशन महाराज, गिरिजा देवी को सुनने का अवसर दिया स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी ने : नवल तुलस्यान



रोटरी स्कूल बनाने में अहम योगदान : राजेश्वर पाडे

स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी को जितनी भी तारीफ की जाए, कम है। मुझे उनके साथ काम करने का काफी अवसर मिला। पेसे से वकील राजेश्वर पाडे ने स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी को याद करते हुए कहा है कि उनसे बहुत कुछ सीखा। वे पान के बहुत शौकीन थे उसी वक्त मुझे भी पान की आदात लग गई। चाचा जी युवाओं को बढ़ाने और दान पूर्युष के बहुत विश्वास करते थे। आज शहर के बीच-बीच अपने छोटे पुत्र ज्ञान शंकर को उनके पद चिन्ह पर चलते देखा तो बहुत खुशी होती है।



स्वर्गीय ज्योति प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता कई समाजसेवियों ने उनके बारे में अलग-अलग खबरियों के बारे में बताया है और सभी ने कहा कि ज्योति बाबू पलामू के मसीहा थे की संध्या पर शहर के लोगों ने उन्हें कभी भुलाया नहीं जाता।

साहित्य संगीत और शिक्षा के संगम का नाम ज्योति प्रकाश : देववत

स्वर्गीय ज्योति प्रकाश भैया मेरे बड़े भाई समाज में थे। मैंने उनके कामों की बैठक में देखा था। शायद ही शहर में कोई ऐसा व्यक्ति हो जिन्हें उनसे कोई कष्ट पहुंचा हो। पत्रकार देववत जी ने उनको याद करते हुए कहा कि साहित्य, संगीत और शिक्षा के संगम का नाम था ज्योतिन भैया। उनके जीवन काल तक भारत का कोई शास्त्रीय संगीत कलाकार या साहित्यकार नहीं था जो पलामू की धरती पर द्वारा नहीं बुलाया जाता।



प्रथम टीवी वार्ड स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी की देन : डॉ आरपी सिन्हा

शहर के जाने माने चिकित्सक डॉ आरपी सिन्हा ने स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी को याद करते हुए कहा कि एक समय था जब टीवी के रोग से लाग मरा करते थे, दवा तक की किलत रहती थी, लाग छुआइत की बीमारी समझती थी। उसी वक्त वर्त कुछ डॉक्टर स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी के पास दवा दान के साथ-साथ सर्वर सरकारी अस्पताल कैपस में एक टीवी वार्ड का निर्माण करने की घोषणा की और 5 माह में उसका निर्माण कर कर समाप्त हुआ। उसके बाद डॉक्टर स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी के पास दवा दान के साथ-साथ सर्वर सरकारी अस्पताल कैपस में एक टीवी वार्ड का निर्माण करने की घोषणा की और 5 माह में उसका निर्माण कर कर समाप्त हुआ। उसके बाद डॉक्टर स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी के पास दवा दान के साथ-साथ सर्वर सरकारी अस्पताल कैपस में एक टीवी वार्ड का निर्माण करने की घोषणा की और 5 माह में उसका निर्माण कर कर समाप्त हुआ। उसके बाद डॉक्टर स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी के पास दवा दान के साथ-साथ सर्वर सरकारी अस्पताल कैपस में एक टीवी वार्ड का निर्माण करने की घोषणा की और 5 माह में उसका निर्माण कर कर समाप्त हुआ।



हजारों लोगों को रोजगार दे रहा ज्योति प्रकाश जी का परिवार : सरस जैन

शहर के मशहूर चार्टर्ड अकाउंटेंट सरस जैन ने स्वर्गीय ज्योति प्रकाश जी के परिवार के बारे बताते हुए कहा कि उनके दोनों पुत्र अनंद शंकर, ज्ञान शंकर और अब दोनों पुत्रों के पुत्र स्नोत शंकर और आकर्ष आनंद अपने पिता के व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए आज हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं जो एक पुनर्नीत कर्म है। चार्टर्ड अकाउंटेंट सरस जैन ने बताया कि जहां यह परिवार हीरेटेज इंस्टरेक्शन शेनल और ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। उनकी बड़ी विश्वास देता है कि उनके दोनों पुत्र ज्ञान शंकर और अनंद शंकर जी को उनके दोनों पुत्रों के पुत्रों द्वारा बहुत लोगों को रोजगार दे रहे हैं जो एक पुनर्नीत कर्म है। इसके अलावा एक वर्ष के अंदर उनकी दोनों पुत्रों द्वारा ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। इसके अलावा एक वर्ष के अंदर उनकी दोनों पुत्रों द्वारा ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।



ज्ञान शंकर कर रहा है कि ज्योति प्रकाश जी के नाम पर स्थापित

ज्योति प्रकाश विधायी पिंशुलक स्कूल और ज्योति प्रकाश महिला बीड़ी कॉलेज का भी संचालन कर रहा है। जहां आनंद मोर्ट्स महिला शैक्षम, शीरो आनंद और बाइक्स का संचालन हो रहा है। वहां हीरीटेज टोयोटा का भी संचालन कर रहा है। जहां राज्य और अन्य राज्य में होटल बचरे हैं वहां डाल्लनगंज और अन्य राज्य में होटल बचरे हैं। सनातन धर्म संघ के निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा कई कार्य किये जा रहे हैं। ज्ञान शंकर मुद्रिया कराया जा रहा है। इसके अलावा कई कार्य किये जा रहे हैं।

ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।

ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।

ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।

ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।

ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है। ज्ञान शंकर को उनकी बड़ी विश्वास देता है।

मनरेणा बीपीओ ने कर्मियों के साथ की बैठक, दिये कई दिशानिर्देश

हुसैनाबाद(आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखण्ड कार्यालय के साथान्तर में मंगलवार को मनरेणा कर्मियों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बीपीओ बैष्ण त्रिपात्र मिश्रा ने की और बैठक में प्रधानमंत्री भैया जी ने उनकी बैठक में देखा था। ज्ञान शंकर की बैठक में एक विश्वासी तथा अन्य मनरेणा कर्मी शामिल थे। बैठक में ब

